# संपादक का नोट

मसीह में प्रिय भाइयों और बहनों,

मैं आप सभी को मेरे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम पर अभिवादन करती हूं। मैं इस फसल के पर्व पर विश्वास करती हूँ, प्रभु आपको बहुत्तायत से उनके आशीर्वादों के साथ बौछार करेगा। व्यवस्थाविवरण 30:20 '' इसलिए अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम करो, और उसकी बात मानों, और उस से लिपटे रहो; क्योंकि तेरा जीवन और दीर्घ जीवन यही है, और ऐसा करने से जिस देश को यहोवा ने इब्राहीम, इसहाक, और याकूब, तेरे पूर्वजों को देने की शपथ खाई थी उस देश में तू बसा रहेगा।''

जब आप प्रभु से प्यार करते हैं तो वह आपको जीवन और अनगिनत दिन के साथ आशीर्वाद देगा। निस्संदेह, भलाई और दया आपके जीवन के सभी दिनों में साथ रहेगी, और आप हमेशा के लिए प्रभु के घर में रहेंगे। आपको अच्छे डॉक्टरों, अच्छी दवाइयां या अच्छे टॉनिक के माध्यम से जीवन नहीं मिलता है; परन्तु जब आप प्रभु से प्रेम करते हैं, तो आप प्रभु के द्वारा लंबी आयु प्राप्त करेंगे। यह प्रभु है जो जीवन और अच्छा स्वास्थ्य देते है।

निर्गमन 15:26 ''कि यदि तू अपने परमेश्वर यहोवा का वचन तन मन से सुने, और जो उसकी दृष्टि में ठीक है वही करे, और उसकी आज्ञाओं पर कान लगाए, और उसकी सब विधियों को माने, तो जितने रोग मैं ने मिस्रियों पर भेजा है उन में से एक भी तुझ पर न भेजूंगा; क्योंकि मैं तुम्हारा चंगा करने वाला यहोवा हूं।''

प्रभु आपके सभी पापों को क्षमा करेगा, वह आपके सभी बीमारियों को ठीक करेगा। प्रभु  विनाश से आपके जीवन को मुक्त करेगा। वह आपको दया और करुणा से प्रेम करता है। वह अच्छी बातों के साथ आपके मुंह को संतुष्ट करता है ताकि आपके युवाकाल को उकाब की तरह नया किया जा सके।

अय्यूब के जीवन को देखो। उसने अपने बच्चों और उसके पशुओं को खो दिया था। वह अपने पूरे शरीर में घावों से पीड़ित था। फिर भी, अय्यूब ने यहोवा के खिलाफ बात नहीं की। अय्यूब 2 : 10 ''उसने उस से कहा, तू एक मूढ़ स्त्री की सी बातें करती है, क्या हम जो परमेश्वर के हाथ से सुख लेते हैं, दुःख न लें? इन सब बातों में भी अय्यूब ने अपने मुंह से कोई पाप नहीं किया।''

अय्यूब ने कहा, 'मैं अपनी मां के गर्भ से नंगा आया हूं, और नंगा मैं वहां वापस जाऊँगा। प्रभु ने दिया और प्रभु ने ले लिया। प्रभु का नाम धन्य है।' जब वह सब कुछ खो चुका था, तब भी वह प्रभु से प्यार करता था। अंत में प्रभु ने अय्यूब को जो कुछ खो दिया था, उससे दोगुना आशीर्वाद दिया। उसने उसे लंबे जीवन के साथ आशीर्वाद दिया। अय्यूब 42 : 16–17 ''इसके बाद अय्यूब एक सौ चालीस वर्ष जीवित रहा, और चार पीढ़ी तक अपना वंश देखने पाया। निदान अय्यूब वृद्धावस्था में दीर्घायु हो कर मर गया।''

भजन संहिता 91 : 16 ''मैं उसको दीर्घायु से तृप्त करूंगा, और अपने किए हुए उद्धार का दर्शन दिखाऊंगा।'' अकेले प्रभु के द्वारा, हमारे दिन बढ़ा दिए जाएंगे और हमारे जीवन में वर्षों को जोड़ा जाएगा।

भजन संहिता दाऊद जो प्रभु से प्रेम करता था वह लिखता है भजन संहिता 21:4 ''उसने तुझ से जीवन मांगा, ओर तू ने जीवन दान दिया; तू ने उसको युगानुयुग का जीवन दिया है।'' प्रियजनों प्रभु से प्रेम रखनेवाले, बुराई से नफरत करते हैं। यहोवा हमारी आत्मा को बचाएगा और हमें दुष्टों के हाथ से बचाएगा। जब दाऊद यहोवा से प्यार करता था, तब वह अपनी भेड़ों का जंगल में देखरेख करता था, तब यहोवा ने उसकी आत्मा को बचाया था, जब सिंह और भालू ने उसके भेड़ों पर हमला किया था। जब शाऊल दाऊद का पीछा करता था और मौत उसके करीब थी; उस समय भी, दाऊद डरा नहीं था। उसने कहा, 'मेरी आत्मा केवल प्रभु के लिए धैर्यपूर्वक इंतजार कर रही है, क्योंकि मेरी उम्मीद उससे ही है।' संकट के समय में भी, दाऊद ने पहाड़ियों को देखा जहां से उसकी सहायता प्रभु से मिली थी। क्योंकि दाऊद ने पूरी तरह से अपने सारे मन

और आत्मा के साथ यहोवा से प्रेम किया, इस प्रकार प्रभु ने उसकी आत्मा को मृत्यु से बचाया, और उसकी आँखों को आसुओं से और उसके पांव गिरने से। प्रभु ने उन सभी अच्छी चीजों को जो उसके साथ किया, दाऊद कहता है भजन संहिता 103 : 1–2 ''1 हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह; और जो कुछ मुझ में है, वह उसके पवित्र नाम को धन्य कहे! 2 हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह, और उसके किसी उपकार को न भूलना।''

दाऊद के साथ रहने वाले परमेश्वर को हमेशा तुम्हारे भीतर रहना चाहिए!

दानिय्येल को शेरों की गुफा में डाल दिए जाने के बाद सुबह, राजा दारा ने उसकी भलाई के बारे में पूछताछ की थी दानिय्येल 6:20 ''जब राजा गड़हे के निकट आया, तब शोक भरी वाणी से चिल्लाने लगा और दानिय्येल से कहा, हे दानिय्येल, हे जीवते परमेश्वर के दास, क्या तेरा परमेश्वर जिसकी तू नित्य उपासना करता है, तुझे सिंहों से बचा सका है?'' क्योंकि दानिय्येल ने अपने पूरे दिल से प्रभु से प्रेम किया था, प्रभु ने दानिय्थेल को सिंहों से बचाया था, ताकि प्रभु का नाम महिमा हो।

प्रभु ने दानिय्येल को शेरों के मुंह से बचाया और शद्रक, मेशक और अबेदनगो को अग्नि भट्ठी से बचाया, वही प्रभु आपको आपके आसपास की सभी समस्याओं से बचाएगा।

एक अमीर आदमी ने खुद से बात की थी लूका 12 : 16–20 ''16 उस ने उन से एक दृष्टान्त कहा, कि किसी धनवान की भूमि में बड़ी उपज हुई। 17 तब वह अपने मन में विचार करने लगा, कि मैं क्या करूं, क्योंकि मेरे यहां जगह नहीं, जहां अपनी उपज इत्यादि रखूं। 18 और उस ने कहा; मैं यह करूंगा मैं अपनी बखारियां तोड़ कर उन से बड़ी बनाऊंगा; 19 और वहां अपना सब अन्न और संपत्ति रखूंगा और अपने प्राण से कहूंगा, कि प्राण, तेरे पास बहुत वर्षों के लिए बहुत संपत्ति रखी है; चैन कर, खा, पी, सुख से रह। 20 परन्तु परमेश्वर ने उस से कहा; हे मूर्ख, इसी रात तेरा प्राण तुझ से ले लिया जाएगा तब जो कुछ तू ने इकट्ठा किया है, वह किस का होगा?''

बाइबिल कहता है मरकुस 8 : 36–37 ''36 यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और अपने प्राण की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा? 37 और मनुष्य अपने प्राण के बदले क्या देगा?''

तो प्रभु से प्रेम करें और अपनी आत्माओं की रक्षा करें। रोमियो 8:28 ''और हम जानते हैं, कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उन के लिए सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है; अर्थात उन्हीं के लिए जो उस की इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं।'' जब आप प्रभु से प्रेम करते हैं, तो आपके सभी दुःख आनन्द में बदल जाते हैं और आपके आँसू आनन्द के आँसू में बदल जाते हैं। आप इस साल एक भरपूर फसल प्राप्त करें। प्रभु आप सबको आशीर्वाद दें।

हमारे प्रभु की सेवा में,

पास्टर सरोजा म.

# प्रभु ने पहले हमें प्रेम किया, इस प्रकार हम उससे प्रेम करते हैं।

दानिय्येल 2 : 17–19 ''17 तब दानिय्येल ने अपने घर जा कर, अपने संगी हनन्याह, मीशाएल, और अजर्याह को यह हाल बता कर कहा, 18 इस भेद के विषय में स्वर्ग के परमेश्वर की दया के लिए यह कह कर प्रार्थना करो, कि बाबुल के और सब पण्डितों के संग दानिय्येल और उसके संगी भी नाश न किए जाएं। 19 तब वह भेद दानिय्येल को रात के समय दर्शन के द्वारा प्रकट किया गया। सो दानिय्येल ने स्वर्ग के परमेश्वर का यह कह कर धन्यवाद किया।'' हमारे जीवन में, यीशु मसीह हमारे सबसे अच्छे दोस्त होने चाहिए जिनके साथ हम अपने सभी दर्द, दुःख और आनन्द को साझा करने में सक्षम हो सके। दूसरी बात, पवित्र आत्मा भी हमारे मित्र के रूप में होना चाहिए, जिनके साथ हम साझा कर सके। लेकिन, हमें यहां अंत नहीं करना चाहिए, प्रभु ने भी इस दुनिया के कई लोगों को हमारे साथ प्रार्थना योद्धा बनने के लिए चुना है। हमारे प्रभु में विश्वास करने वाले हर किसी को याद रखना चाहिए कि प्रभु परमेश्वर ने हमें प्रार्थना में समर्थन देने के लिए चुना है और इस प्रकार एक साथ हम अपने प्रभु परमेश्वर के लिए महान प्रार्थना योद्धा बन सकते हैं। अगर हम दानिय्येल की कहानी देखे, तो वह बाबुल में एक नबी था। राजा नबूकदनेस्सर को एक अजीब सपना आता है, इसलिए राजा सभी भविष्यद्वक्ताओं को एक आज्ञा भेजते हैं की वे राजा के सामने आए और उन्हें सपना समझाएं। यदि वे राजा के सपने को समझाने में सक्षम नहीं हुए, तो वे सभी मार डाले जाएंगे। इस प्रकार, दानिय्येल अपने दोस्तों के साथ मुलाकात करता है – जो उनके जैसे प्रार्थना योद्धा थे और राजा नबूकदनेस्सर के आदेश के बारे में उन्हें बताता हैं, इस प्रकार सभी चार लोग मिलते हैं और प्रार्थना करते हैं। राजा का सपना और प्रभु परमेश्वर एक दिन के भीतर रात में उनके लिए सपने का अनुवाद करते हैं। दानिय्येल 2 : 19 ''तब वह भेद दानिय्येल को रात के समय दर्शन के द्वारा प्रकट किया गया। सो दानिय्येल ने स्वर्ग के परमेश्वर का यह कह कर धन्यवाद किया।'' यहाँ हम

देखते हैं कि जब प्रभु हमारे साथ हैं, वह हमारे दर्द, हमारे दुखों और हमारी प्रार्थनाओं को जानता है, वह हमारा सबसे अच्छा दोस्त है, जो हमारे जीवन में सबकुछ जानता है, उनसे कुछ भी छिपा नहीं है। हमारे पास पवित्र आत्मा भी है, जो हमारे करीब भी है और जिनके साथ हम सब कुछ साझा कर सकते हैं। लेकिन इस दुनिया में कुछ लोग हैं, जो प्रभु के साथ इस तरह के रिश्ते को साझा नहीं कर सकते हैं, भले ही वे चाहते हों, अपनी जिंदगी की स्थिति की वजह से। उनमें से बहुत से नहीं कह सकते हैं कि प्रभु उनका सबसे अच्छा दोस्त है और पवित्र आत्मा उनके जीवन में परिस्थितियों के कारण उनका सबसे अच्छा दोस्त भी है। इस प्रकार, प्रार्थना योद्धाओं का होना बहुत महत्वपूर्ण है जो प्रार्थना में एक दूसरे का समर्थन कर सकते हैं। दानिय्येल एक नबी था, प्रभु ने उसे जीवन में कई रहस्योद्घाटन दिए थे। तब भी, दानिय्येल राजा नबूकदनेस्सर के सपने को अकेले प्रकट नहीं करना चाहता था, इस प्रकार उसने अपने मित्रों प्रार्थना योद्धाओं को इकट्ठा किया। वचन 18 ''इस भेद के विषय में स्वर्ग के परमेश्वर की दया के लिए यह कह कर प्रार्थना करो, कि बाबुल के और सब पण्डितों के संग दानिय्येल और उसके संगी भी नाश न किए जाएं।'' और उन्होंने एक साथ प्रार्थना की और इस प्रकार प्रभु ने उन्हें राजा का सपना बता दिया, उसी रात को। जैसा कि राजा नबूकदनेस्सर ने एक आज्ञा जारी करवाया था कि अगले दिन अगर सपने को स्पष्ट नहीं किया गया तो वे मारे जाएंगे। इस प्रकार वचन 19 ''तब वह भेद दानिय्येल को रात के समय दर्शन के द्वारा प्रकट किया गया। सो दानिय्येल ने स्वर्ग के परमेश्वर का यह कह कर धन्यवाद किया।'' दानिय्येल ने परमेश्वर के रहस्योद्घाटन के लिए सराहना की और धन्यवाद किया, क्योंकि इस रहस्योद्घाटन के बाद राजा नबूकदनेस्सर का शासन खत्म हो जाएगा। प्रभु राजा नबूकदनेस्सर के राज्य को नष्ट करने वाले थे। याद रखें, प्रभु नबियों को केवल अच्छी चीजों का खुलासा नहीं करता है बल्कि उन विपरीत चीजें जो अन्य लोगों के जीवन में भी आता हैं।

यह बहुत महत्वपूर्ण है की प्रार्थना योद्धाओं के रूप में अच्छे दोस्त जीवन में हों, जो एक साथ प्रार्थना कर सकते हैं, प्रार्थना में एक दूसरे को उठा सकते हैं और एक दूसरे का समर्थन कर सकते हैं। जैसे की दानिय्येल के मित्र थे, उनकी प्रार्थना योद्धा जिनके साथ उन्होंने प्रार्थना की और प्रभु परमेश्वर ने राजा के सपने की सच्चाई का खुलासा किया, तो यह भी महत्वपूर्ण हैं की अच्छे दोस्त और प्रार्थना योद्धाएं भी हमारे जीवन में भी हों। हम धन्य हैं की प्रार्थना योद्धाओं

के रूप में हमारे सबसे अच्छे दोस्त हैं। भजन संहिता 133 : 1–2 ''1 देखो, यह क्या ही भली और मनोहर बात है कि भाई लोग आपस में मिले रहें! 2 यह तो उस उत्तम तेल के समान है, जो हारून के सिर पर डाला गया था, और उसकी दाढ़ी पर बह कर, उसके वस्त्र की छोर तक पहुंच गया।'' जब प्रभु कहते हैं ''जब दो या तीन मेरे 'नाम' में इकट्ठे होते हैं, तो मैं उनके बीच हूं'' इसका क्या अर्थ है? जो लोग आत्मा, विश्वास और भरोसे में एक हैं वे साथ में होते है, एकजुट होकर, जब वे प्रार्थना करते हैं, प्रभु परमेश्वर उनके बीच में बस्ते हैं और उनकी प्रार्थनाओं का उत्तर देते हैं। यह एक सत्य है, प्रभु झूठ नहीं बोलते यह लिखा भी है सभोपदेशक 4 : 9–10 ''9 एक से दो अच्छे हैं, क्योंकि उनके परिश्रम का अच्छा फल मिलता है। 10 क्योंकि यदि उन में से एक गिरे, तो दूसरा उसको उठाएगा; परन्तु हाय उस पर जो अकेला हो कर गिरे और उसका कोई उठाने वाला न हो।'' जब हम प्रभु की सेवा करते हैं, जब हम लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं तो हम आम तौर पर हमारी आंखें बंद करते हैं और प्रार्थना करते हैं, इस प्रकार जो हमारे साथ हैं उन्हें अपनी आँखें खुली रखना चाहिए और उन्हें यह देखना चाहिए कि चारों ओर क्या हो रहा है। यहां तक कि जब यीशु मसीह ने अपने चेलों को उपदेश और प्रार्थना करने के लिए भेजा, तो उन्होंने उन दोनों को एक साथ भेजा और कभी भी अकेले नहीं भेजा। ताकि अगर कोई एक गिर जाए, तो दूसरा उसे उठा सकें। तो वचन सत्य है, यह झूठ नहीं कहता है। मैंने इसे अपने निजी जीवन में अनुभव किया है। लेकिन बेशक हम अकेले नहीं हैं, हमारे पास दो सबसे अच्छे मित्र हमेशा हैं, जैसे यीशु मसीह और पवित्र आत्मा। बुराई अतः लंबे समय तक नहीं रह सकती, अंत में इसे हमारे प्रभु परमेश्वर के सामने झुकना पड़ता ही है और पराजित होना ही पड़ता है। प्रभु नहीं कहता है, अकेले मत रहो, परन्तु वे कहते हैं, ''यह बेहतर है कि हम ऐसी लड़ाई में लड़ने के लिए एक से अधिक हो''। जैसे दानिय्येल अकेले प्रार्थना कर सकता था, लेकिन हो सकता था कि उसे कई दिनों तक संघर्ष करना पड़ता, उसे उपवास और प्रार्थना करना पड़ता। इस प्रकार संघर्ष लंबे समय तक बढ़ते रहता। लेकिन जब उन्होंने अपने दोस्तों को बुलाया, प्रार्थना योद्धाओं ने उनके साथ प्रार्थना करने के लिए, प्रभु ने उनकी प्रार्थना का उसी रात ही उत्तर दिया। इस प्रकार, हमारे लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि प्रभु ने ऐसा नहीं कहा था कि अकेले प्रार्थना न करें, लेकिन कभी–कभी हमें हमारी प्रार्थनाओं के तत्काल उत्तर देने के लिए प्रार्थना योद्धाओं के साथ प्रार्थना करने की आवश्यकता है। 10 क्योंकि यदि उन में से एक गिरे, तो दूसरा उसको उठाएगा; परन्तु हाय उस पर

जो अकेला हो कर गिरे और उसका कोई उठाने वाला न हो।'' जब एक अकेला होता है, तो उसे कभी अकेले प्रार्थना करने के लिए नहीं जाना चाहिए, प्रभु कहते हैं, 'हाय' जो अकेले प्रार्थना करता है। जिसका मतलब है, हमारे पास हमारे सबसे अच्छे दोस्त होंगे जैसे..यीशु मसीह और पवित्र आत्मा, इन दो के बिना हमें किसी के लिए भी प्रार्थना करने के लिए कभी बाहर नहीं जाना चाहिए।

पवित्र शास्त्र में कहानी याद हैं, जब दो–तीन लोग दुष्ट–आत्माग्रस्त मनुष्य के पास प्रार्थना करने के लिए गए थे। लेकिन दुष्ट आत्मा देखता है कि ये लोग भीतर से खाली हैं, अर्थात् उनके भीतर यीशु मसीह या पवित्र आत्मा नहीं है ! इस प्रकार दुष्ट आत्मा ने उन्हें तबाह कर दिया और उन्हें नंगा करके वापस भेज दिया। लोगों की भीड़ ने चिल्लाना शुरू कर दिया 'उन पर हाय' ... 'उन पर हाय !', हाँ, यीशु मसीह हमें चेतावनी देते है कि जब भी हम मुसीबत में किसी के लिए प्रार्थना करने जाते हैं, हमें कभी अकेला नहीं होना चाहिए, हमारे साथ हमारे सबसे अच्छे दोस्त अर्थात यीशु मसीह और पवित्र आत्मा होना चाहिए। व्यवस्थाविवरण 32 : 30 ''यदि उनकी चट्टान ही उन को न बेच देती, और यहोवा उन को औरों के हाथ में न कर देता; तो यह क्योंकर हो सकता कि उनके हजार का पीछा एक मनुष्य करता, और उनके दस हजार को दो मनुष्य भगा देते?'' जब पभु और पवित्र आत्मा हमारे साथ है, तो परमेश्वर के अभिषिक्त सेवक एक हजार लोगों को दूर कर सकता है और जब दो अभिषिक्त जन हैं, तो वे दस हजार से अधिक लोगों को दूर कर सकते हैं। उनके भीतर परमेश्वर की शक्ति की कल्पना करो, यह केवल परमेश्वर के विश्वास और भरोसे के कारण संभव है। पवित्र शास्त्रों में, हम जानते हैं कि जब लोग प्रभु के अभिषिक्त सेवकों के साथ एकता और मेल में बैठे थे, तो पिन्तेकुस के दिन पर पवित्र आत्मा उनपर उंडेलने लगा। हम पढ़ते है प्रेरितों के काम 2 : 1 ''जब पिन्तेकुस का दिन आया, तो वे सब एक जगह इकट्ठे थे।'' यह इसलिए था क्योंकि वे सभी एकता और हृदय और मन की एकता में थे। प्रभु का काम करने के लिए, एक मन में सहमत होना और एक विश्वास होना जरूरी है और विश्वास करो कि केवल प्रभु परमेश्वर ही अपने पराक्रमशाली कार्य को पूरा करेगा। एकात्मकता, एकता और एक विश्वास हमारे जीवन में शक्तिशाली काम कर सकता है। इस प्रकार यह प्रभु का आदेश था कि दो लोग को हमेशा प्रभु के कार्यों को पूरा करने के लिए एक साथ जाना चाहिए। प्रभु ने हमें उनका अपना पवित्र मंदिर बनाया है, इस प्रकार प्रभु हमारे भीतर निवास करते है। आज भी प्रार्थना योद्धा

अद्भुत काम कर सकते हैं, जब वे एक साथ प्रार्थना करते हैं, जैसे एक अभिषिक्त सेवक एक हजार शत्रुओं को दूर कर सकते है और दो अभिषिक्त सेवक दस हजार शत्रुओं को दूर कर सकते है।

दानिय्येल 6 : 10 ''जब दानिय्येल को मालूम हुआ कि उस पत्र पर हस्ताक्षर किया गया है, तब वह अपने घर में गया जिसकी उपरौठी कोठरी की खिड़कियां यरूशलेम के सामने खुली रहती थीं, और अपनी रीति के अनुसार जैसा वह दिन में तीन बार अपने परमेश्वर के सामने घुटने टेक कर प्रार्थना और धन्यवाद करता था, वैसा ही तब भी करता रहा।'' राजा नबूकदनेस्सर ने एक और आज्ञा पत्र को भेजा था, उसने अपनी एक सोने की मूर्ति बनाई थी और चाहता था कि बाबुल के सभी लोग उसे झुककर दंडवत करें। लेकिन दानिय्येल, इस आज्ञा पत्र के बारे में चिंतित नहीं था, हमेशा की तरह वह कमरे में चला जाता है, सुलैमान के मंदिर की ओर मुख करके हमेशा की तरह तीन बार प्रार्थना किया। वह यह केवल प्रभु में उसकी आस्था और विश्वास के कारण किया। उसने अतीत में अनुभव किया था, अपने जीवन में परमेश्वर के अद्भुत कार्यों को और वह इसे भुला नहीं था। वह जानता था कि उसका परमेश्वर पराक्रमी और शक्तिशाली है। हमें भी प्रभु के साथ हमारे पहले अनुभव को कभी नहीं भूलना चाहिए, जो अकेले ही प्रभु में हमारी आस्था और विश्वास को मजबूत करता है। हां, यद्यपि राजा ने एक अन्य आज्ञा पत्र को जाहिर कर दिया था की उसकी मूर्ति की उपासना करें और झुककर दंडवत भी करें, लेकिन दानिय्येल इस बात से नहीं डरा, हमेशा की तरह वह अपने कमरे में गया और प्रभु परमेश्वर के सामने हमेशा की तरह दिन में तीन बार प्रार्थना करता है। दानिय्येल को गिरफ्तार कर लिया गया उसके इस आज्ञा का उल्लंघन के कार्य की वजह से और शेरों के गुफा में डाल दिया गया। लेकिन फिर भी दानिय्येल नहीं डरा, वह जानता था कि परमेश्वर उसके साथ है, वह लगातार उससे प्रार्थना करता रहा, वह जानता था कि प्रभु उसका सबसे अच्छा दोस्त है। यह इसलिए था क्योंकि वे सभी एकता और हृदय और मन की एकता में थे। प्रभु का काम करने के लिए, एक मन में सहमत होना और एक विश्वास में होना जरूरी है और विश्वास करो कि केवल प्रभु परमेश्वर ही अपने पराक्रमशाली कार्य को पूरा करेगा। एकात्मकता, एकता और एक विश्वास हमारे जीवन में शक्तिशाली काम कर सकता है। इस प्रकार यह प्रभु का आदेश था कि दो लोग को हमेशा प्रभु के कार्यों को पूरा करने के लिए एक साथ जाना चाहिए। प्रभु ने हमें उनका अपना पवित्र मंदिर बनाया है, इस प्रकार

प्रभु हमारे भीतर निवास करते है। आज भी प्रार्थना योद्धा अद्भुत काम कर सकते हैं, जब वे एक साथ प्रार्थना करते हैं, जैसे एक अभिषिक्त सेवक एक हजार शत्रुओं को दूर कर सकते है और दो अभिषिक्त सेवक दस हजार शत्रुओं को दूर कर सकते है। बाइबल केवल यही कहता है कि दानिय्येल ने परमेश्वर से प्रार्थना की थी, लेकिन हमें यह जानना चाहिए कि दानिय्येल ने परमेश्वर के साथ लंबे समय से चर्चा की थी कि राजा नबूकदनेस्सर ने उन सभी अत्याचारों के बारे में प्रभु के लोगों पर किया था और उसका क्रोध उन पर था। प्रभु ने दानिय्येल की प्रार्थना सुनी और इस प्रकार प्रभु ने सिंहों के मुंह को बंद कर दिया और दानिय्येल बच गया । यहां हम देखते हैं कि दानिय्येल ने राजा के आदेश पर हस्ताक्षर किया होगा क्योंकि वह राजा के लोगों का हिस्सा था, लेकिन दानिय्येल ने आज्ञा पत्र का पालन नहीं किया था, जैसे उसने कल किया था, हमेशा की तरह उसने प्रभु परमेश्वर से अपने कमरे की खिड़कियां खोलकर जो की सुलैमान के मंदिर की ओर मुख करके प्रार्थना की थी। हमारे जीवन में भी हमारे प्रभु परमेश्वर के साथ हमारे अनुभवों को याद रखना महत्वपूर्ण है और हमारे जीवन में उनके महान कार्यों को भी। याद रखें यीशु मसीह ने कहा है कि **"मेरी भेड़ मेरी आवाज सुनकर मेरे पीछे आ जाएगी। मैं उनका चरवाहा हूं, कुछ भी उन्हें रोक नहीं सकता है।"** दाऊद ने पराक्रमी गोलियत को हराया, उस समय उसने अपने ऊपर परमेश्वर के पराक्रमी अनुग्रह के हाथ को नहीं भुला, इस प्रकार तब भी जब वह राजा बन गया और कई युद्ध और दुश्मनों से लड़ना पड़ा, तो वह उन्हें कभी नहीं डरा क्योंकि वह उसी परमेश्वर को जानता था जिसने उसे पराक्रमी गोलियत के खिलाफ विजय दिलाई थी एक बार फिर उसे बचा लेगा। इसके अलावा जब अमेलेकीस ने इस्राएल पर हमला किया और उनकी सारी संपत्ति, बंधन में परिवारों को ले लिया था। दाऊद तभी भी परमेश्वर से डरता था और उससे प्रार्थना करता था, कि वह जाकर उन्हें बचा ले और उन्हें वापस ले आएं। केवल जब प्रभु ने उसे 'आगे बढ़ो' कहा, वह चला गया और अमेलेकी लोगों द्वारा पकडे गए सभी को वापस लाया। इसलिए हमें अपने अतीत के अनुभवों को परमेश्वर और उसके पराक्रमी बल और शक्ति के साथ याद रखना चाहिए।

शास्त्रों में, हमें शद्रक, मेशक और अबेदनगो की कहानी जानते हैं, दानिय्येल 3 : 23–26 ''23 और उसी धधकते हुए भट्ठे के बीच ये तीनों पुरूष, शद्रक, मेशक और अबेदनगो, बन्धे हुए फेंक दिए गए। 24 तब नबूकदनेस्सरे राजा अचम्भित हुआ और घबरा कर उठ खड़ा हुआ। और अपने मन्त्रियों से पूछने लगा, क्या हम

ने उस आग के बीच तीन ही पुरूष बन्धे हुए नहीं डलवाए? उन्होंने राजा को उत्तर दिया, हां राजा, सच बात तो है। 25 फिर उसने कहा, अब मैं देखता हूं कि चार पुरूष आग के बीच खुले हुए टहल रहे हैं, और उन को कुछ भी हानि नहीं पहुंची; और चौथे पुरूष का स्वरूप ईश्वर के पुत्र के सदृश्य है। 26 फिर नबूकदनेस्सर उस धधकते हुए भट्ठे के द्वार के पास जा कर कहने लगा, हे शद्रक, मेशक और अबेदनगो, हे परमप्रधान परमेश्वर के दासो, निकल कर यहां आओ! यह सुन कर शद्रक, मेशक और अबेदनगो आग के बीच से निकल आए।'' यह अनुभव कुछ ऐसा है जो यह तीनों पुरुष अपनी जिंदगी में कभी भी नहीं भूलेंगे, यह केवल प्रभु का बल और शक्ति को जानने के लिए उन्हें और मजबूत करेगा। इसी तरह, हमें ऐसे ही अनुभवों को याद रखना चाहिए और हमारे जीवन में प्रभु के शक्तिशाली कामों को ही याद रखना चाहिए, प्रभु हमारे जीवन में काम करना जारी रख सकते हैं। हम जानते हैं कि कैसे प्रभु परमेश्वर ने शाऊल को छुआ और उसके जीवन को बदल दिया और उन्हें प्रेरित पौलुस बना दिया। जब वह शाऊल था, तो वह केवल प्रभु के लोगों को नष्ट करने की मांग करता था, परन्तु जब परमेश्वर ने उसे प्रकाश से मारा और उसे दमिश्क के रास्ते पर अंधा कर दिया, तो वह बदल गया। यह एक घटना और उसके जीवन में अनुभव पर्याप्त था प्रेरित पौलुस को प्रभु की सेवा जीवन भर करने के लिए और वह प्रभु के लिए अपना जीवन देने के लिए तैयार था। हम जानते हैं कि कितने चर्चों को प्रेरित पौलुस ने प्रभु के लिए बनाया, कितने लोग उनके प्रचार और शिक्षाओं के साथ बच गए, कैसे उन्होंने प्रभु के लिए दुःख उठाया और उनकी सेवा की ताकि यह सक्षम हो सके कि परमेश्वर का वचन दुनिया के कोनों तक पहुंच सके। हां, वह एक स्पर्श ने उसका जीवन बदल दिया और प्रेरित पौलुस कभी अपने जीवन में उस महान परमेश्वर के स्पर्श को कभी नहीं भुला। प्रेरितों के काम 9 : 3–4 ''3 परन्तु चलते चलते जब वह दमिश्क के निकट पहुंचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी। 4 और वह भूमि पर गिर पड़ा, और यह शब्द सुना, कि हे शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?'' इसी तरह, यहां तक कि हमारे जीवन में भी हमें अपने जीवन में प्रभु के स्पर्श को कभी नहीं भूलना चाहिए, यह हमारे लिए विश्वास की रीड की हड्डी बन जाना चाहिए।

हम जक्कई की कहानी भी जानते हैं, वह कद में छोटा था और यहूदियों के साथ उसका मेलमिलाप नहीं था क्योंकि वह एक चुंगी लेने वाला था। लेकिन,

जब यीशु मसीह ने यरीहो का दौरा किया, तो जक्कई ने इस यात्रा के बारे में सुना और उसे देखने की इच्छा थी। इस प्रकार वह एक गूलर के पेड़ पर चढ़ गया और यीशु की एक झलक पाने के लिए धैर्य से घंटों इंतजार करने लगा। उसने कभी नहीं सोचा था कि यह दिन हमेशा के लिए उसका जीवन बदल देगा, क्योंकि जब यीशु पेड़ के नीचे आए, तो उन्होंने उसे कहा ''जक्कई'', नीचे उतर आ, आज मैं तुम्हारे घर आ रहा हूं''। कल्पना कीजिए जक्कई के आनंद को, वह उसे जाहिर नहीं कर सका, परन्तु वह तुरन्त उतरकर निचे आया और यीशु के साथ चल पड़ा। जिस तरह से फरीसी अपने आप में एक–दूसरे के बीच बड़बड़ा रहे थे, ''यीशु को नहीं पता था कि यह आदमी चुंगी लेनेवाला है, वह उसके घर क्यों जा रहे थे?''। उस समय, जक्कई फैसला करता है कि आज से ''मैं उन सभी को वापस दूंगा जो मैंने लोगों से लिया है'' उस दिन जक्कई और उसका परिवार इब्राहीम के प्रिय परिवार बन गए और वे कृपा के साथ मुक्ति पाए। लूका 19 : 1–5 ''1 वह यरीहो में प्रवेश करके जा रहा था। 2 और देखो, जक्कई नाम एक मनुष्य था जो चुंगी लेने वालों का सरदार और धनी था। 3 वह यीशु को देखना चाहता था कि वह कौन सा है परन्तु भीड़ के कारण देख न सकता था। क्योंकि वह नाटा था। 4 तब उस को देखने के लिए वह आगे दौड़कर एक गूलर के पेड़ पर चढ़ गया, क्योंकि वह उसी मार्ग से जाने वाला था। 5 जब यीशु उस जगह पहुंचा, तो ऊपर दृष्टि कर के उस से कहा; हे जक्कई झट उतर आ; क्योंकि आज मुझे तेरे घर में रहना अवश्य है।'' हम जानते हैं कि यरीहो में सब कुछ शापित है, लेकिन यीशु यरीहो को गए ताकि वह इस मनुष्य जक्कई और उसके परिवार को बचा सके, उन्होंने देखा कि जक्कई उनसे कितना प्यार करता है और उसके विश्वास को भी। याद रखें कि परमेश्वर हमारे बाहरी रूप को कभी नहीं देखता है लेकिन वह हमारे दिल को देखता है। यीशु के चारों ओर के सभी लोग यह कह रहे थे कि जक्कई एक चुंगी लेनेवाला है और यीशु उसके घर जा रहे है। यीशु को कुछ महत्व नहीं था, क्योंकि वह जक्कई के दिल को जानते थे भजन संहिता 121 : 1 ''मैं अपनी आंखें पर्वतों की ओर लगाऊंगा। मुझे सहायता कहां से मिलेगी?'' जैसे ही दाऊद पहाड़ियों पर ध्यान केंद्रित किया था, इसी तरह जक्कई का ध्यान सिर्फ यीशु मसीह पर ही था। यहां तक कि हमारा ध्यान केंद्र केवल प्रभु पर ही होना चाहिए, जो हमें हमारे प्रयासों और दु:खी समय में सहायता करता है। हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए। यह हमारी भलाई या महानता नहीं है, या फिर हमारी शिक्षा या सौंदर्य नहीं है, या प्रभु के लिए जो कुछ भी हमने किया है वह भी नहीं

है, कि हम पर प्रभु की कृपा ला सके, यह केवल प्रभु है जो हमारे दिल को देखता है और हमें आशीर्वाद देता है। इफिसियों 2 : 5 ''जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे, तो हमें मसीह के साथ जिलाया; (अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है।)'' हमारे कोई भी अच्छे कामों की वजह से प्रभु हम पर कृपा नहीं ला सकते है, लेकिन यह केवल हमारे लिए उनका प्यार है कि हम पर उनकी कृपा को ला सकती हैं। इफिसियों 1 : 7–8 ''7 हम को उस में उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है। 8 जिसे उस ने सारे ज्ञान और समझ सहित हम पर बहुतायत से किया।'' प्रभु के हर काम में, वह अमीर और ज्यादा मात्रा में है। उसने हमें अपनी कृपा दिखाई है, उसकी शक्तियों ने हमें शक्तिशाली बना दिया है, मुक्ति के साथ हमें अनुग्रह करने के लिए अकेले उनका प्यार पर्याप्त है। इस प्रकार, यीशु ने जक्कई को यरीहो के शापित भूमि से प्यार किया। हम भी प्रभु के प्यार के अयोग्य हैं, लेकिन हम उनके लहू द्वारा खरीदे गए हैं जो की कलवरी के क्रूस पर बहाया गया था और उन्होंने हमें एकमात्र स्तुति और उपासना की एक भांति बना दिया है। उसने हमें एक पात्र बनाया ताकि हम उसे 'अब्बा पिता' कह सकते हैं। वरना, हम उसकी कृपा, दया और करुणा के लिए अयोग्य हैं।

याद रखें जो यरूशलेम छोड़कर और यरीहो के शापग्रस्त भूमि पर जा रहा था, रास्ते पर ही उसपर चोरों ने हमला कर दिया था, जिसने उसका सब कुछ लूट लिया और उसे नग्न छोड़ दिया। लेकिन यीशु 'अच्छा सामरी' ने उस से मिला, उसके घावों को साफ किया और मरहम लगाया और उसे देखभाल करने वाले के साथ एक सराय में उसे छोड़ दिया। यह हमारे लिए प्रभु का प्यार है। वह शापित स्थानों पर चले गए और खोए हुए भेड़ की खोज की। इस आदमी ने आशीष की जगह को छोड़ दी और शापित जगह की यात्रा की, लेकिन हमारे प्रभु परमेश्वर ने उसे बचा लिया, जबकि सभी लोग ने उसे नजरअंदाज कर दिया और उसे लहूलुहान होने के लिए और यरीहो के रास्ते पर मरने के लिए छोड़ दिया। परन्तु प्रभु के प्यार ने उन्हें इस घायल आदमी को बचाने के लिए लाया था। हां, यीशु ने अपने शरीर को कलवारी के क्रूस पर घायल किया हमारे लिए, उसी जगह जहां इब्राहीम ने अपने पुत्र इसहाक को बलिदान के लिए ले लाया था। यह वही स्थान था जहां प्रभु परमेश्वर ने इब्राहीम को बलिदान करने के लिए भेड़ को प्रदान किया था। यह उसी स्थान पर है जहाँ परमेश्वर के लोगों को नाश करने के लिए परमेश्वर ने मृत्यु के एक स्वर्गदूत को तलवार के साथ

भेजा जब दाऊद ने लोगों की जनगणना करने के लिए एक आदेश भेजा था। यह वही स्थान है जो लोगों को नष्ट करने से स्वर्गदूत को रोक दिया गया था। दाऊद को उसकी इस हरकत से गहरा दुख हुआ और वह गलत कामों से दुःखी था। दाऊद इस जगह को खरीदने के लिए इच्छुक था और आखिरकार इसे खरीदा और बाद में सुलैमान ने मंदिर बनाया इसी जगह पर। लेकिन जल्द ही राजा नबूकदनेस्सर ने मंदिर को नष्ट कर दिया। कुछ साल बाद इसराइल के महायाजक जरूब्बाबेल ने फिर से मंदिर बनाया, उस ही जगह में। फिर भी इस्राएलियों ने पाप जारी रखा और मंदिर कई बार नष्ट हो गया। कई वर्षों के बाद, हेरोदेस ने यहूदा के लोगों का विश्वास हासिल करने के लिए इस मंदिर को फिर से बनाया। इस प्रकार यह जगह बहुत धार्मिक, पवित्र और अभिषिक्त है। यह आग से पवित्र किया गया था जो स्वर्ग से भेजा गया था। फिर जब यीशु इस संसार में आए थे, तो उन्होंने इस मंदिर को शुद्ध किया था क्योंकि लोगों ने इसे एक डाकुओं का अड्डा बना दिया था, अर्थात् मंदिर में कबूतरों की बिक्री। कबूतर 'पवित्र आत्मा' का प्रतीक है, जब यीशु मसीह ने बपतिस्मा लिया और वह पानी से बाहर आए, तो परमेश्वर ने पवित्र आत्मा को कबूतर के रूप में भेजा। वचन कहता है 'सत्य खरीदों और इसे बेचों मत'। लेकिन आदि से, परमेश्वर इस जगह को पसंद करते थे और अब जब यीशु देखते है कि लोग इस जगह पर व्यापार कर रहे हैं, तो वह उन सभी को हटा दिया और एक बार फिर मंदिर को साफ किया। इस प्रकार प्रभु कहते हैं, ''मैं मनुष्य द्वारा बनाई गई मंदिर में नहीं रहता''। यीशु ने मंदिर के बाहर परमेश्वर के सभी अद्भुत कामों को पूरा किया, उसने लंगड़े को चलाया, अंधे को नजर, गूंगे को बोलना और बहरे को सुनता करवाया। उसने लोगों को बंधन से छुड़ाया और मंदिर में अपने सारे पराक्रमी काम नहीं किए, लेकिन मंदिर के बाहर अलग–अलग जगहों में। फिर भी, इस मंदिर को आपके और मेरे लिए कलवारी के क्रूस पर कुचल दिया गया था। आज, प्रभु आपको और मुझे बताता है ''आप मेरे मंदिर हो, यदि आप मंदिर को अशुद्ध करते हैं तो, मैं आपको नष्ट कर दूंगा''। प्रभु परमेश्वर ने हमें केवल कृपा, दया और प्रेम दिखाया है। इस प्रकार वह कहता है कि क्रूस पर चढ़ाया जाने के बाद, ''आप मेरे मंदिर हों और मैं आपमें से प्रत्येक के भीतर रहता हूं''। हमारा जीवन न केवल अपने–अपने परिवारों की देखभाल करना है, बल्कि हमारे जीवन में उसकी सेवा करना है, क्योंकि उन्होंने क्रूस पर हमारे लिए अपना जीवन व्यतीत किया और अपना जीवन दिया। हमें इस प्रकार 'हमारे जीवन में प्रभु परमेश्वर का पहला स्पर्श' कभी नहीं भूलना चाहिए। हमने आज संदेश में सुना

है, सभी उदाहरण, जिनके जीवन को प्रभु परमेश्वर ने छुआ और हमेशा के लिए बदल दिया। रोमियो 3 : 24 ''परन्तु उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है, सेंत मेंत धर्मी ठहराए जाते हैं।'' प्रभु ने हमें पहले प्रेम किया है, इससे पहले कि हम उससे प्रेम करें। हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए। ऐसा नहीं है कि हमने प्रभु को कुछ पहले दिया है और फिर उसने प्यार किया है। नहीं ... .याद रखें प्रभु ने पहले प्यार किया। इस प्रकार, वह हम प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से जानता है, वह हमारे जीवन को भीतर से जानता है। नीकुदेमुस नामक फरीसियों में से एक आदमी था, जो शान्ति से रात के समय पर यीशु से मिलने आया करता था। वह यीशु के शिक्षाओं को सुनने के लिए उनके पास आता था। चलिए पढ़ते है यूहन्ना 3 : 1–12 ''1 फरीसियों में से नीकुदेमुस नाम एक मनुष्य था, जो यहूदियों का सरदार था। 2 उस ने रात को यीशु के पास आकर उस से कहा, हे रब्बी, हम जानते हैं, कि तू परमेश्वर की ओर से गुरू हो कर आया है; क्योंकि कोई इन चिन्हों को जो तू दिखाता है, यदि परमेश्वर उसके साथ न हो, तो नहीं दिखा सकता। 3 यीशु ने उस को उत्तर दिया; कि मैं तुझ से सच सच कहता हूं, यदि कोई नए सिरे से न जन्मे तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता। 4 नीकुदेमुस ने उस से कहा, मनुष्य जब बूढ़ा हो गया, तो क्योंकर जन्म ले सकता है? क्या वह अपनी माता के गर्भ में दुसरी बार प्रवेश करके जन्म ले सकता है? 5 यीशु ने उत्तर दिया, कि मैं तुझ से सच सच कहता हूं; जब तक कोई मनुष्य जल और आत्मा से न जन्मे तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता। 6 क्योंकि जो शरीर से जन्मा है, वह शरीर है; और जो आत्मा से जन्मा है, वह आत्मा है। 7 अचम्भा न कर, कि मैं ने तुझ से कहा; कि तुम्हें नए सिरे से जन्म लेना अवश्य है। 8 हवा जिधर चाहती है उधर चलती है, और तू उसका शब्द सुनता है, परन्तु नहीं जानता, कि वह कहां से आती और किधर को जाती है? जो कोई आत्मा से जन्मा है वह ऐसा ही है। 9 नीकुदेमुस ने उस को उत्तर दिया; कि ये बातें क्योंकर हो सकती हैं? 10 यह सुनकर यीशु ने उस से कहा; तू इस्त्राएलियों का गुरू हो कर भी क्या इन बातों को नहीं समझता? 11 मैं तुझ से सच सच कहता हूं कि हम जो जानते हैं, वह कहते हैं, और जिसे हम ने देखा है उस की गवाही देते हैं, और तुम हमारी गवाही ग्रहण नहीं करते। 12 जब मैं ने तुम से पृथ्वी की बातें कहीं, और तुम प्रतीति नहीं करते, तो यदि मैं तुम से स्वर्ग की बातें कहूं, तो फिर क्योंकर प्रतीति करोगे?'' उसने यीशु से हर संदेह का समाधान किया। इस दुनिया में, हम यहां जो कुछ करते हैं वह महत्वहीन है। लेकिन हमारी जीत,

परमेश्वर के राज्य के लिए खुद को योग्य बनाने के लिए है। वचन ''3 यीशु ने उस को उत्तर दिया; कि मैं तुझ से सच सच कहता हूं, यदि कोई नये सिरे से न जन्मे तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता।'' जब तक हम नए सिरे से न जन्मे, हम परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकते। याद रखें कि हमारा परमेश्वर निष्पक्ष परमेश्वर है, उसमें कोई पक्षपात नहीं है। हमारे पास दो कान और दो आंखें हैं, लेकिन फिर भी हमें बहरे और अंधा नहीं होना चाहिए। चलिए पढ़ते है यूहन्ना 4 : 7 ''इतने में एक सामरी स्त्री जल भरने को आई; यीशु ने उस से कहा, मुझे पानी पिला।'' हम यहाँ देखते हैं कि यीशु सामरिया में सामरी महिला को स्पर्श करने और उसके जीवन को बदलने के लिए सामरिया का दौरा किया था। यहाँ प्रभु 'उसकी आत्मा' के लिए प्यासा था। वह उसे बदलना चाहता था, इसलिए उसने 'परमेश्वर का पहला स्पर्श' अनुभव किया। प्रभु यीशु ने खुलेआम उसके जीवन के बारे में खुलासा किया, इस तरह वह जानती थी कि जो भी उसने कहा था वह सच था। उसने अपनी गलती स्वीकार कर लिया और उस दिन उसकी जिंदगी बदल गई। उनके माध्यम से, कई लोग सामरी में बचाए गए, उन्होंने प्रभु को स्वीकार किया। हम बेतहसदा कुंड के आदमी की कहानी भी जानते हैं, वह 38 सालों से वहां आशा में पड़ा था कि कोई उसे उठाएगा और उसे कुंड में डाल देगा जब स्वर्गदूत उस जल को हिलाएगा। उसे किसी की मदद नहीं मिली। उसके अनुभव की कल्पना करें जब यीशु उसके पास आए और कहा ''अपना बिस्तर उठाओ और चल फिर''। यह उसका अनुभव है 'प्रभु द्वारा पहला स्पर्श'। उन्होंने कई लोगों के साथ इस अद्भुत अनुभव को साझा किया होगा और इस तरह प्रभु की अनुग्रह के लिए कई लोग को लाया होगा। हमारे जीवन में भी हमारे पास कई अनुभव हैं कि कैसे प्रभु ने हमारे जीवन में काम किया है, लेकिन हम मनुष्य के रूप में हमारे जीवन में प्रभु के अद्भुत कामों को भूल जाते हैं। हमें एहसान फरामोश नहीं होना चाहिए, प्रभु ने हम पर हमेशा उनके प्रेम, अनुग्रह, दया और कृपा दिखाई है। याद रखें, उसने हमें पहले प्यार किया है और फिर हम ने उसे प्यार किया है। हमें हमेशा 'परमेश्वर के पहले स्पर्श' को याद रखना चाहिए!

प्रार्थना करो कि यह संदेश कई लोगों के लिए एक आशीर्वाद हो।

प्रभु की सेवा में आपकी,

पास्टर सरोजा म.